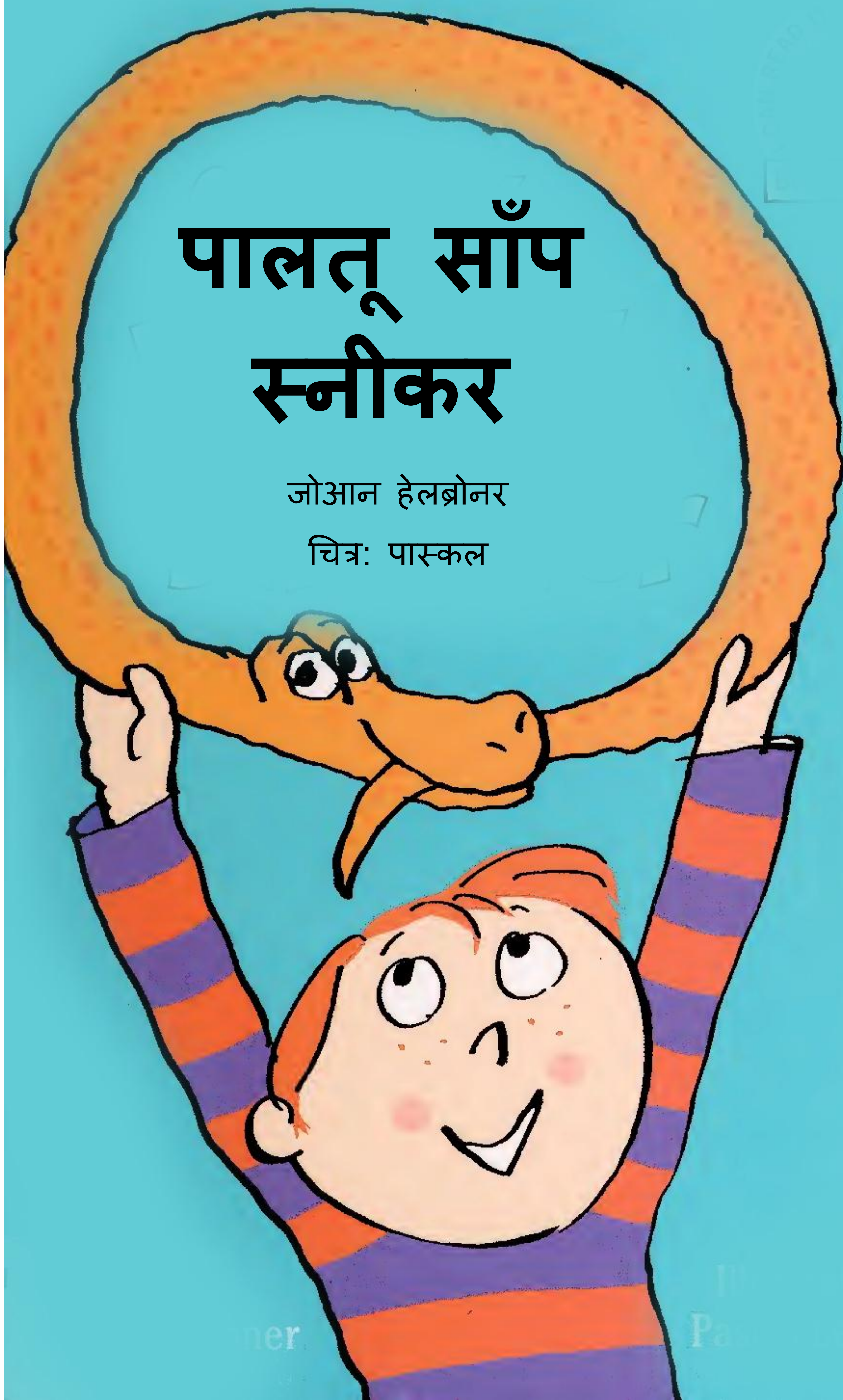
पालतू साँप स्नीकर

जोआन हेलब्रोनर

चित्र: पास्कल



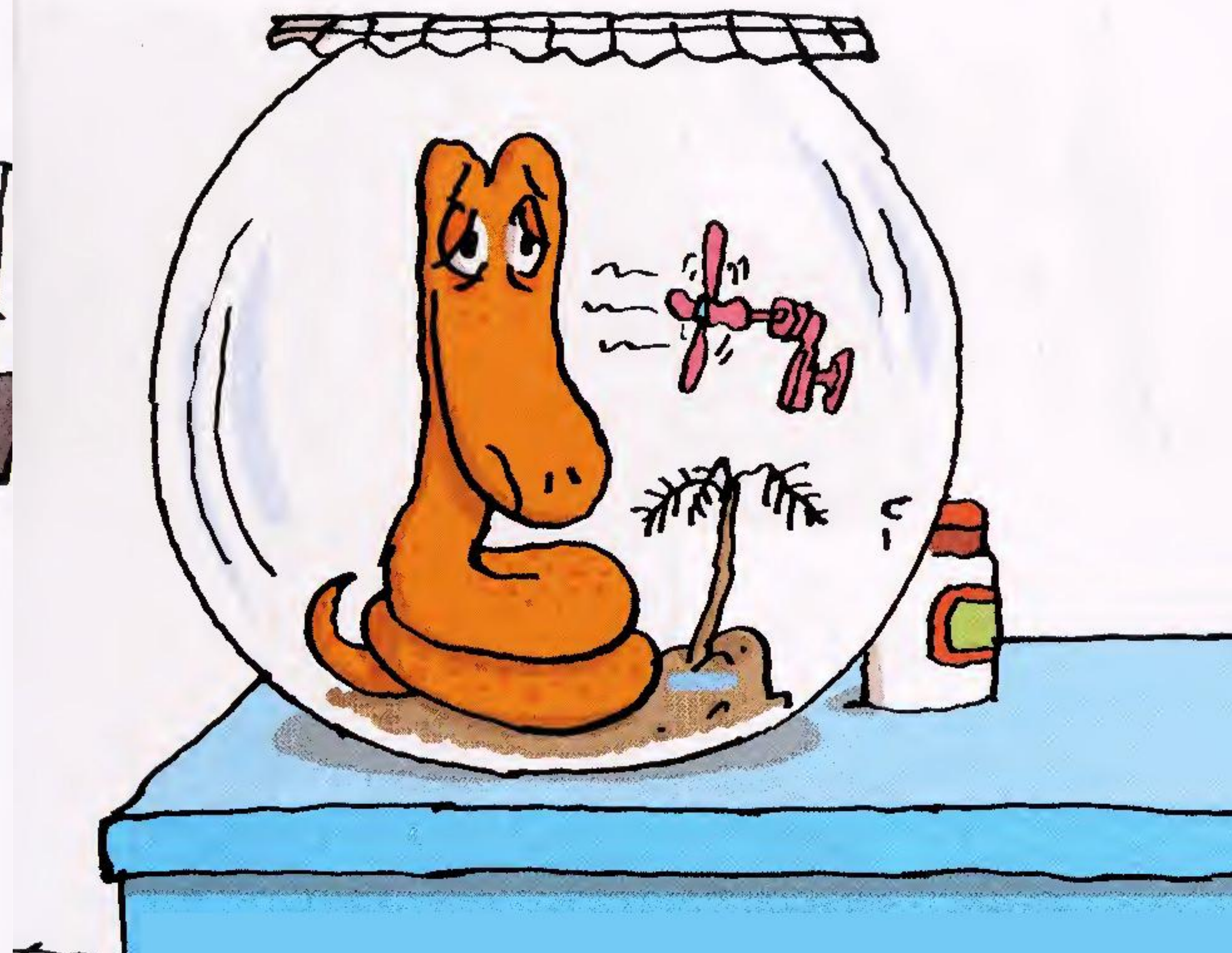
पालतू साँप स्नीकर



जोआन हेलब्रोनर

चित्र: पास्कल





एक समय की बात है.

एक साँप था,

जिसका नाम था स्नीकर.

वह पालतू जानवरों के एक स्टोर में

रहता था. स्टोर अच्छा था,

परंतु स्नीकर वहाँ खुश नहीं था.

वह किसी घर में रहना चाहता था.

उस स्टोर में कई लोग आते थे.



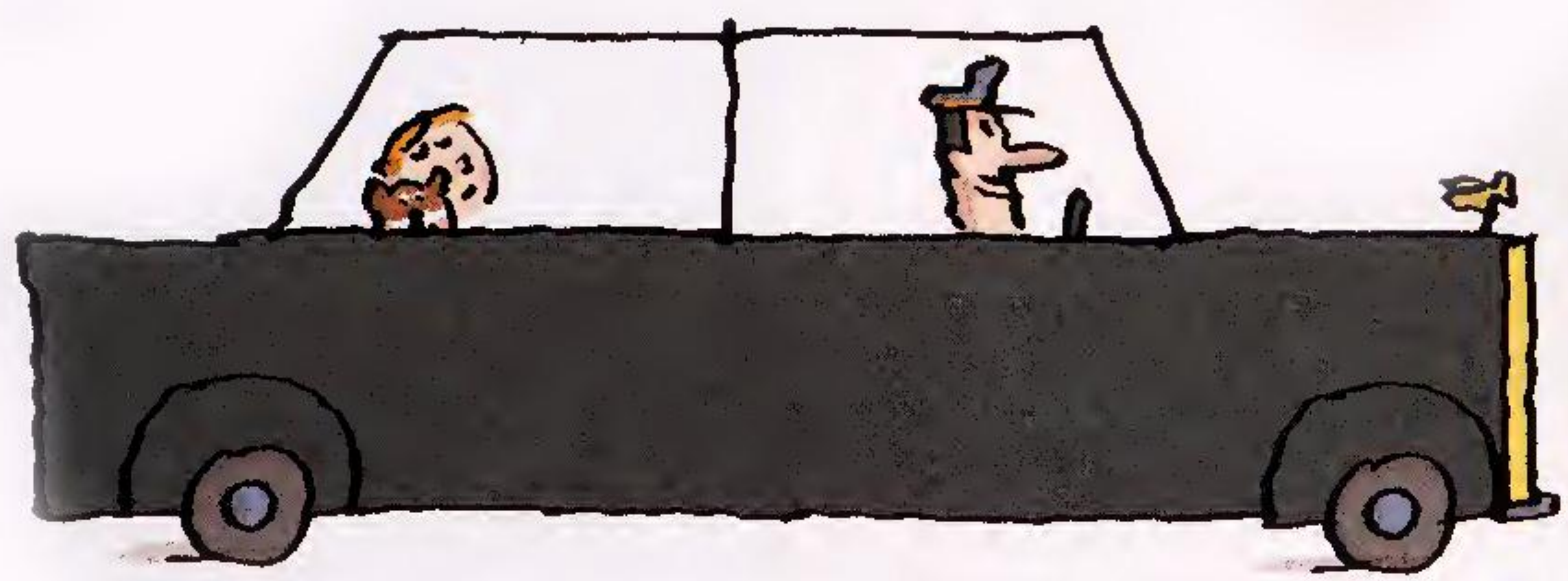
कुछ लोग मछलियाँ ले जाते थे.



कुछ लोग पक्षी ले जाते थे.



कुछ लोग हैमस्टर ले जाते थे.



लेकिन कोई भी स्नीकर को नहीं ले गया.

किसी को साँप नहीं चाहिए था.





फिर एक दिन एक लड़का

उस स्टोर में आया.

उसका नाम पीट था.

पीट को स्नीकर अच्छा लगा.

स्नीकर अनोखे काम

कर सकता था.

“क्या तुम मेरे साथ

मेरे घर आओगे?”

पीट ने पूछा.

“हाँआँआँआँआँआँआँ!”

आखिरकार उसे भी

घर मिल गया था!



स्नीकर को अपना नया घर अच्छा लगा.

वह पीट के साथ मज़े करता था.

वह खेल खेलता,

मैं एक नेक्टाई हूँ.



मैं एक हैट हूँ.



मैं एक हथकड़ी हूँ



अगले दिन पीट ने कहा,

“अलविदा, स्नीकर

आज मुझे स्कूल जाना है.”





लेकिन स्नीकर घर पर

अकेले नहीं रहना चाहता था.

इसलिए वह चोरी से पीट

के स्कूल-बैग में घुस गया.

पीट अपना बैग लेकर स्कूल आ गया.

बैग को कुर्सी पर लटका दिया.

स्नीकर चोरी से बच्चों को देख रहा था.

बच्चे एक खेल खेल रहे थे,

‘दिखाओ और बुझो’





तब पीट ने स्नीकर को देखा.

उसने उसे उठा लिया और

अपनी क्लास को दिखाया.

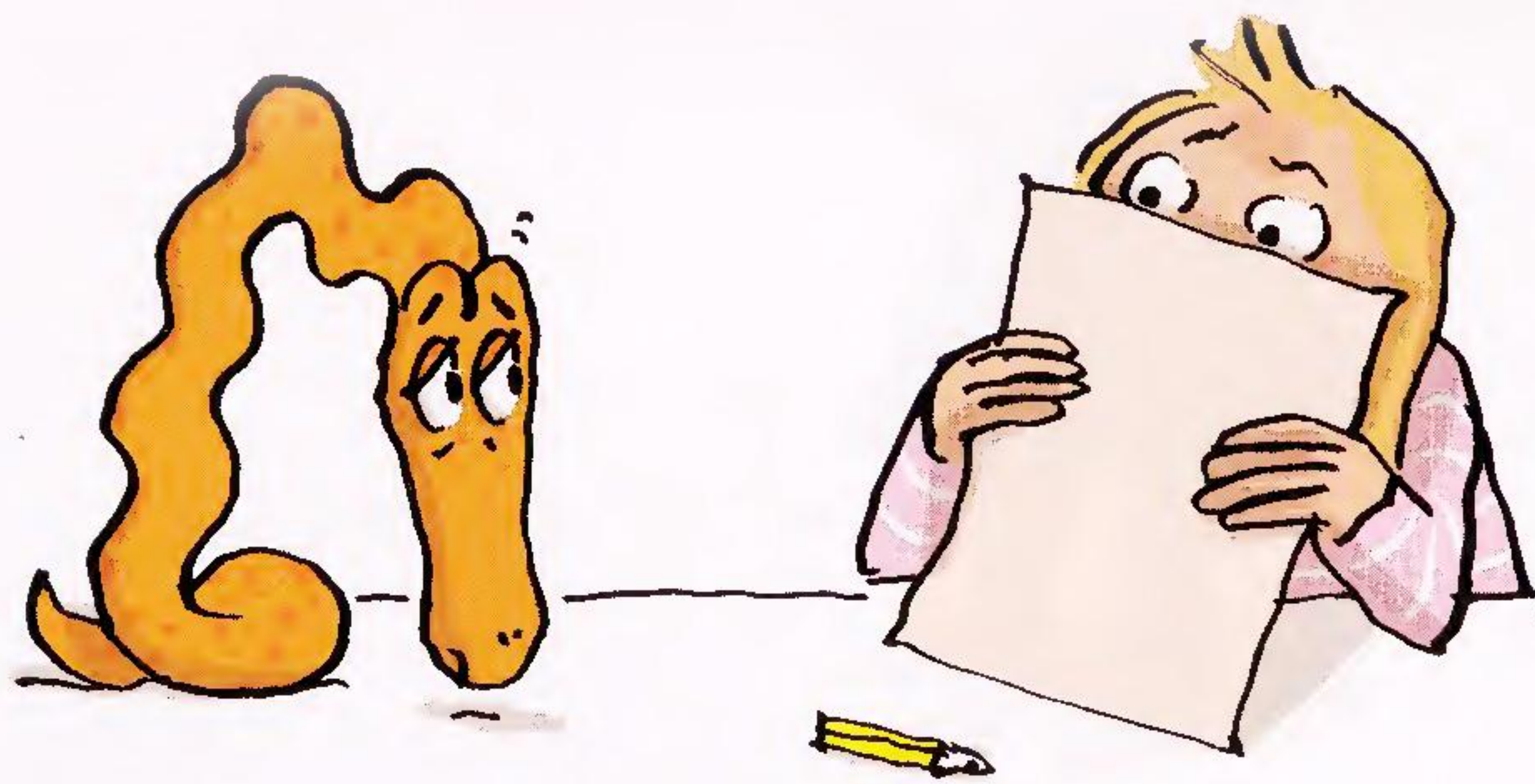
“यह मेरा पालतू साँप है,” उसने कहा.

“इसका नाम स्नीकर है.”

“ई.....साँप लिजलिजे होते हैं!” एक बच्चे ने कहा.



“साँप गंदे होते हैं,” दूसरे बच्चे ने कहा.





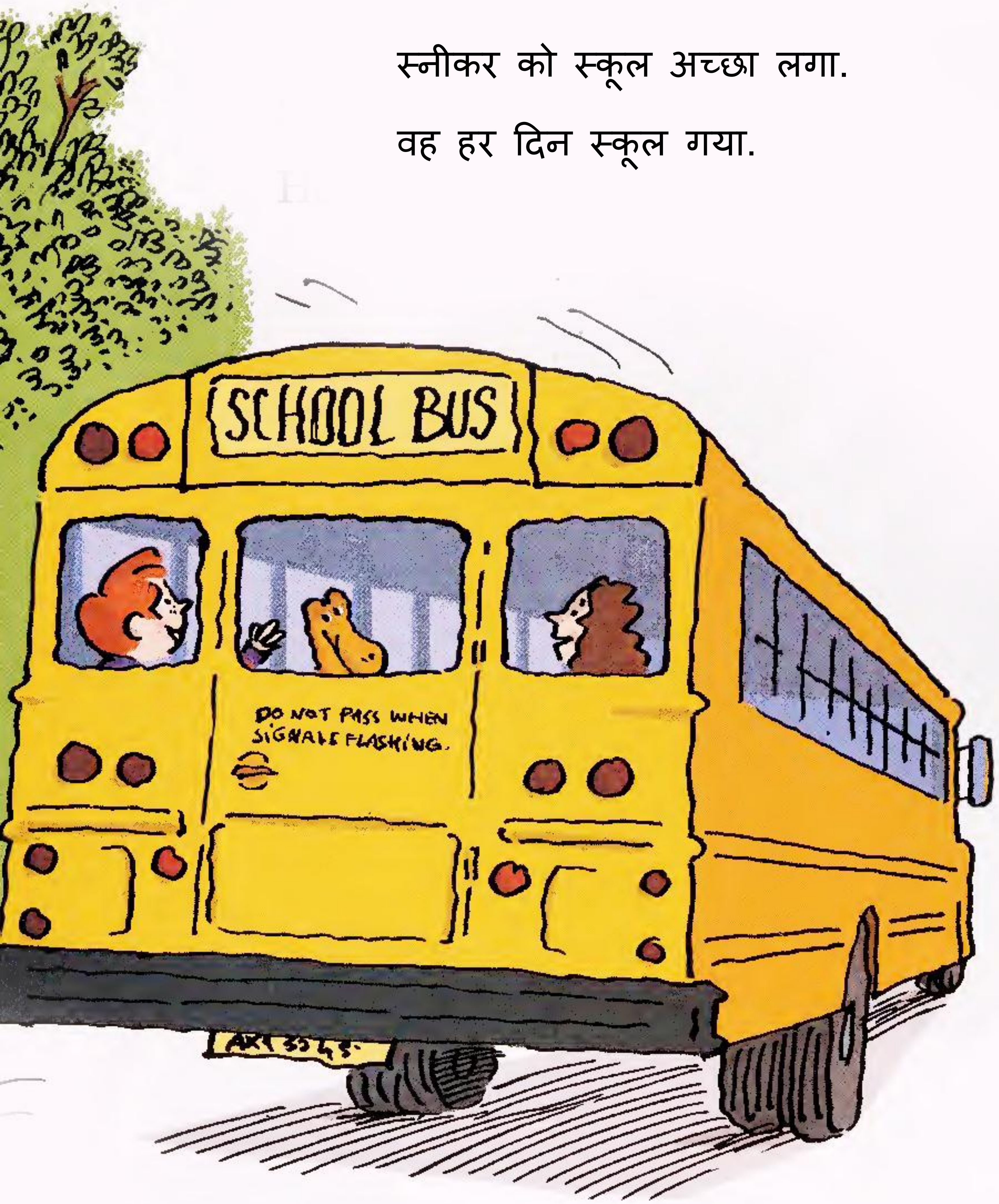
तभी एक बहादुर लड़की ने
स्नीकर को उठा लिया.
वह लिजलिजा नहीं था.
वह अच्छा लग रहा था.

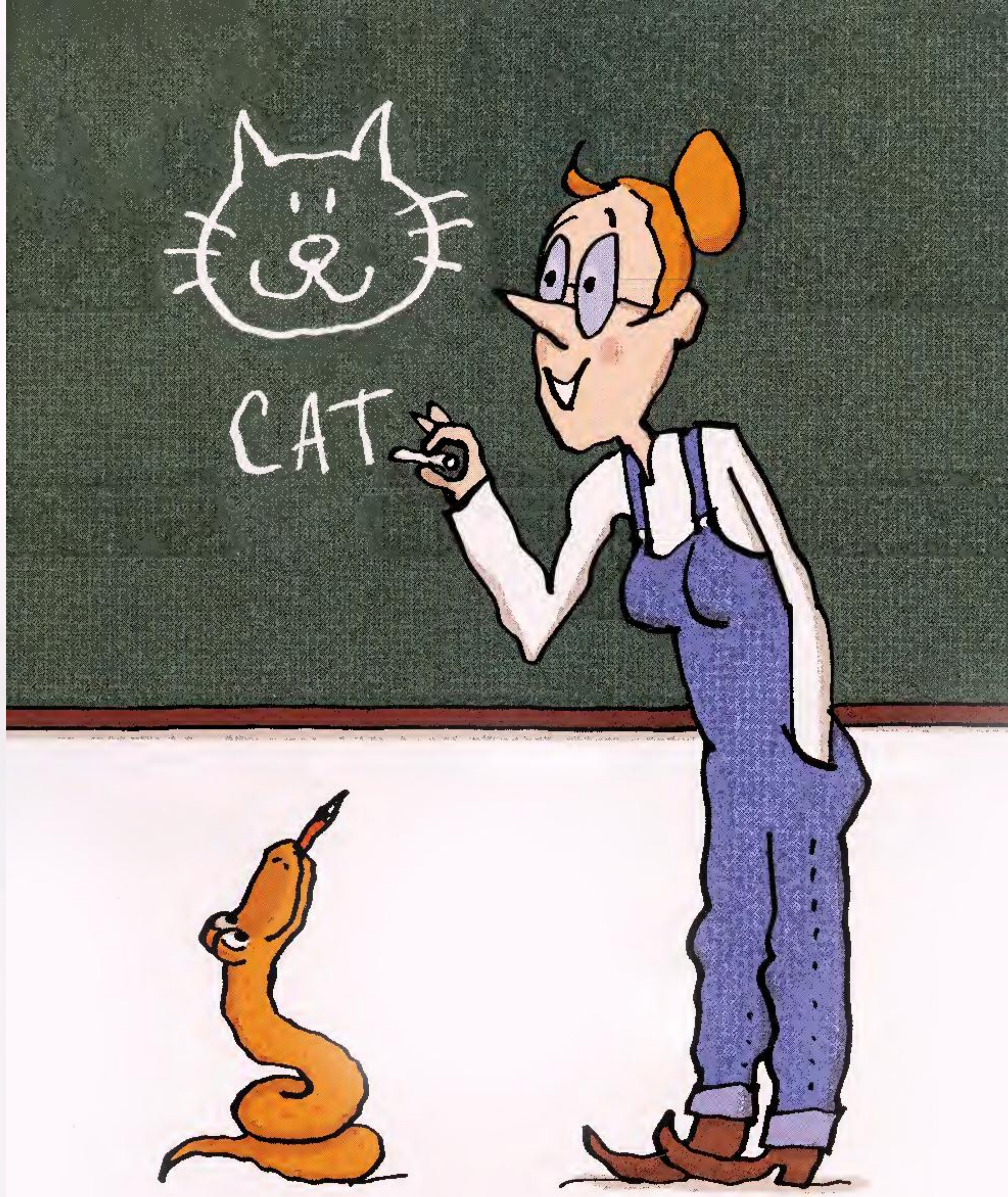


शीघ्र ही सब बच्चे
साँप के साथ खेलना चाहते थे.

स्नीकर को स्कूल अच्छा लगा.

वह हर दिन स्कूल गया.





एक दिन अध्यापिका ने एक चित्र बनाया.

उस चित्र के नीचे लिखा

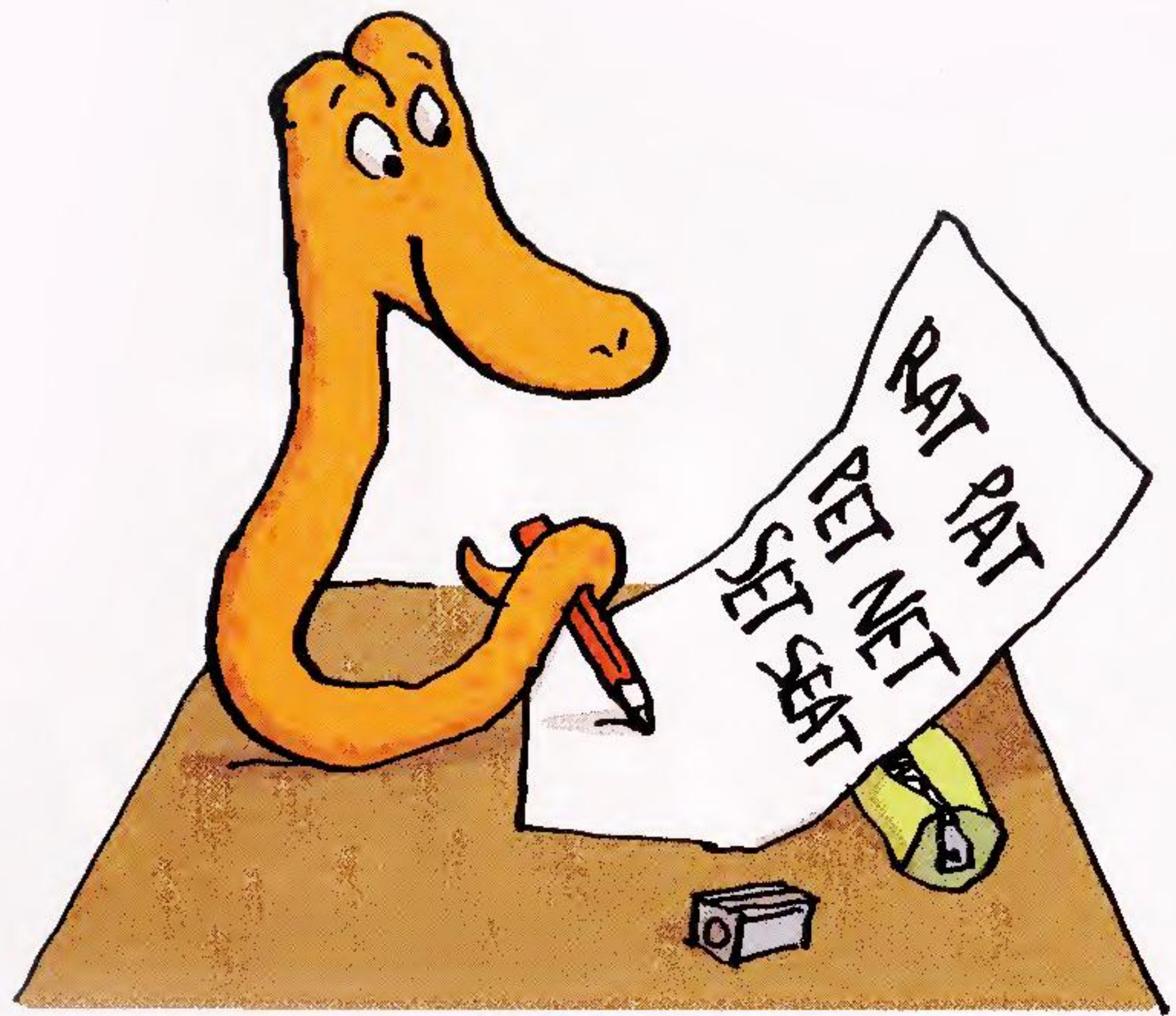
C, A और T

"यह क्या शब्द है?"

अध्यापिका ने पूछा.

"CAT!" सब एक साथ बोले.





स्नीकर cat शब्द बोल नहीं सकता था.

लेकिन वह लिख सकता था.

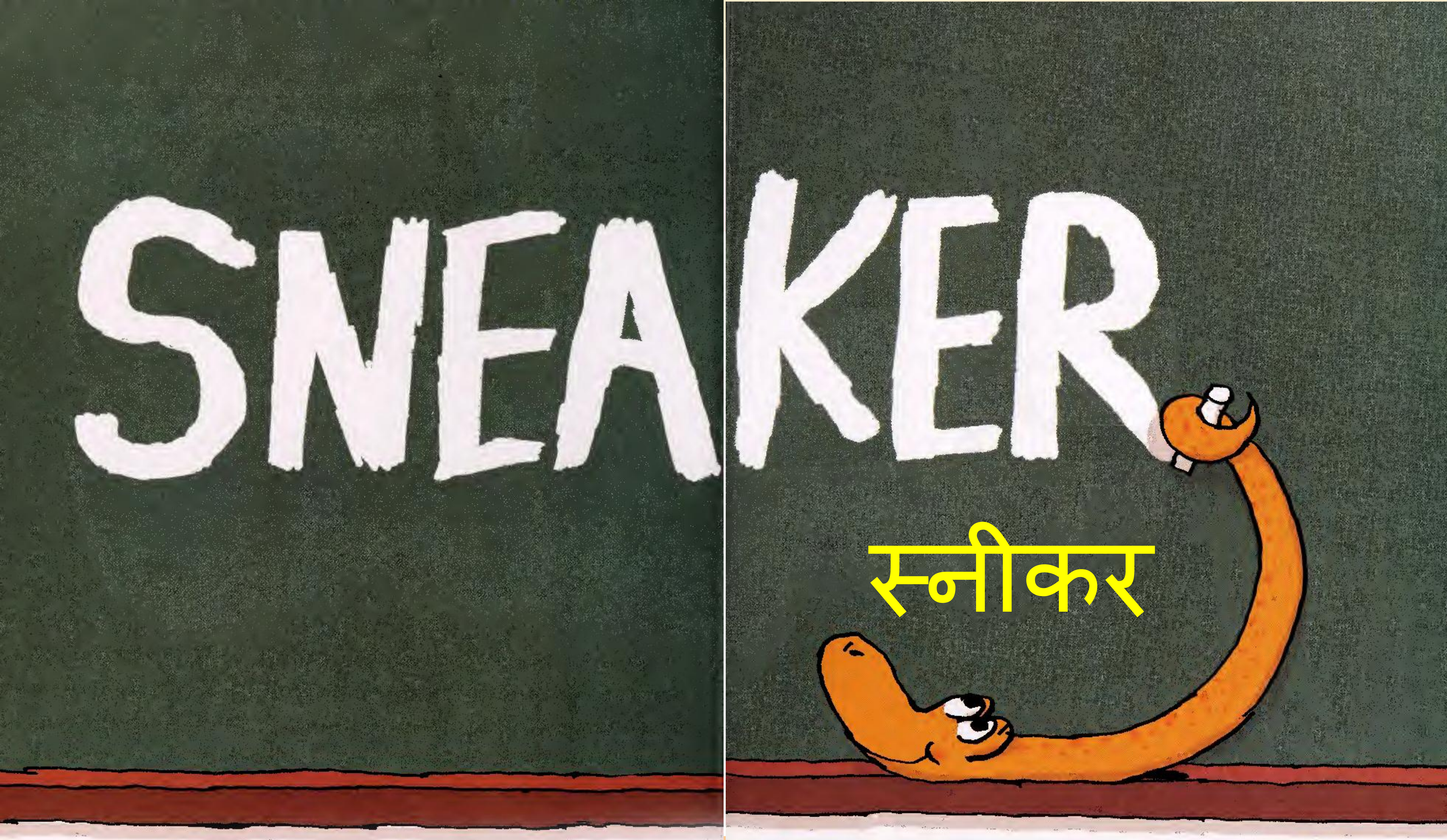
और शीघ्र ही वह कई और शब्द लिखना सीख गया.

Rat और pat

Pet और net

और set और seat.

और एक दिन उसने लिखा...



"बहुत बढ़िया!" अध्यापिका ने कहा.

स्नीकर को अपने पर बहुत गर्व हुआ!

अगले दिन स्नीकर

स्कूल नहीं गया.

वह पीट के साथ पार्क में गया.



गर्मी के दिन थे.

वह तरणताल के पास गए.



पीट ताल में कूद गया.

वह हाथ-पाँव मारने लगा,

पानी उछालने लगा, तैरने लगा.

स्नीकर भी पानी में कूदना चाहता था.

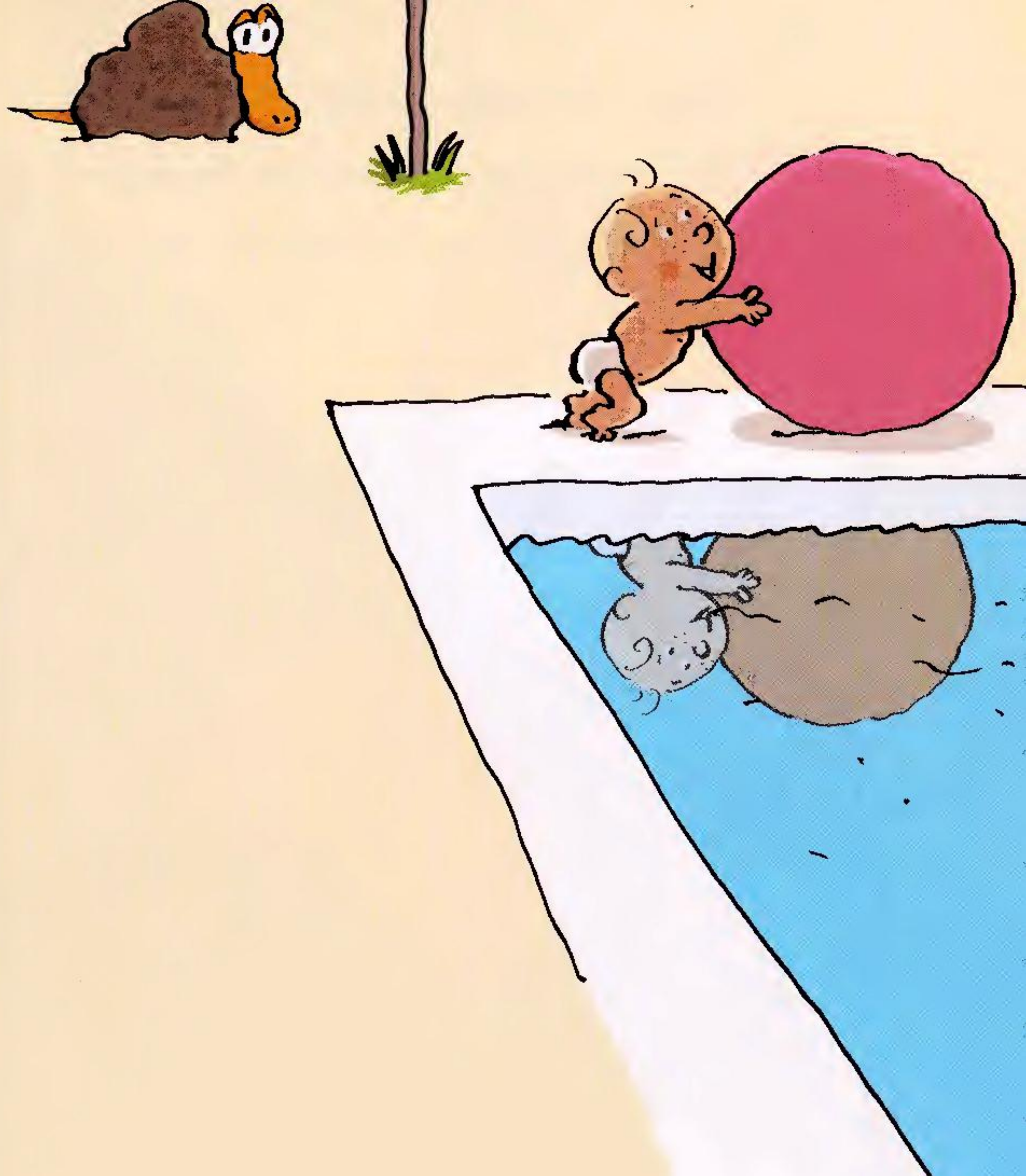
लेकिन स्नीकर ने एक साइनबोर्ड देखा.

वह बोर्ड पढ़ सकता था!

साइनबोर्ड पर लिखा था,

“पालतू पशुओं के लिए प्रवेश नहीं.”





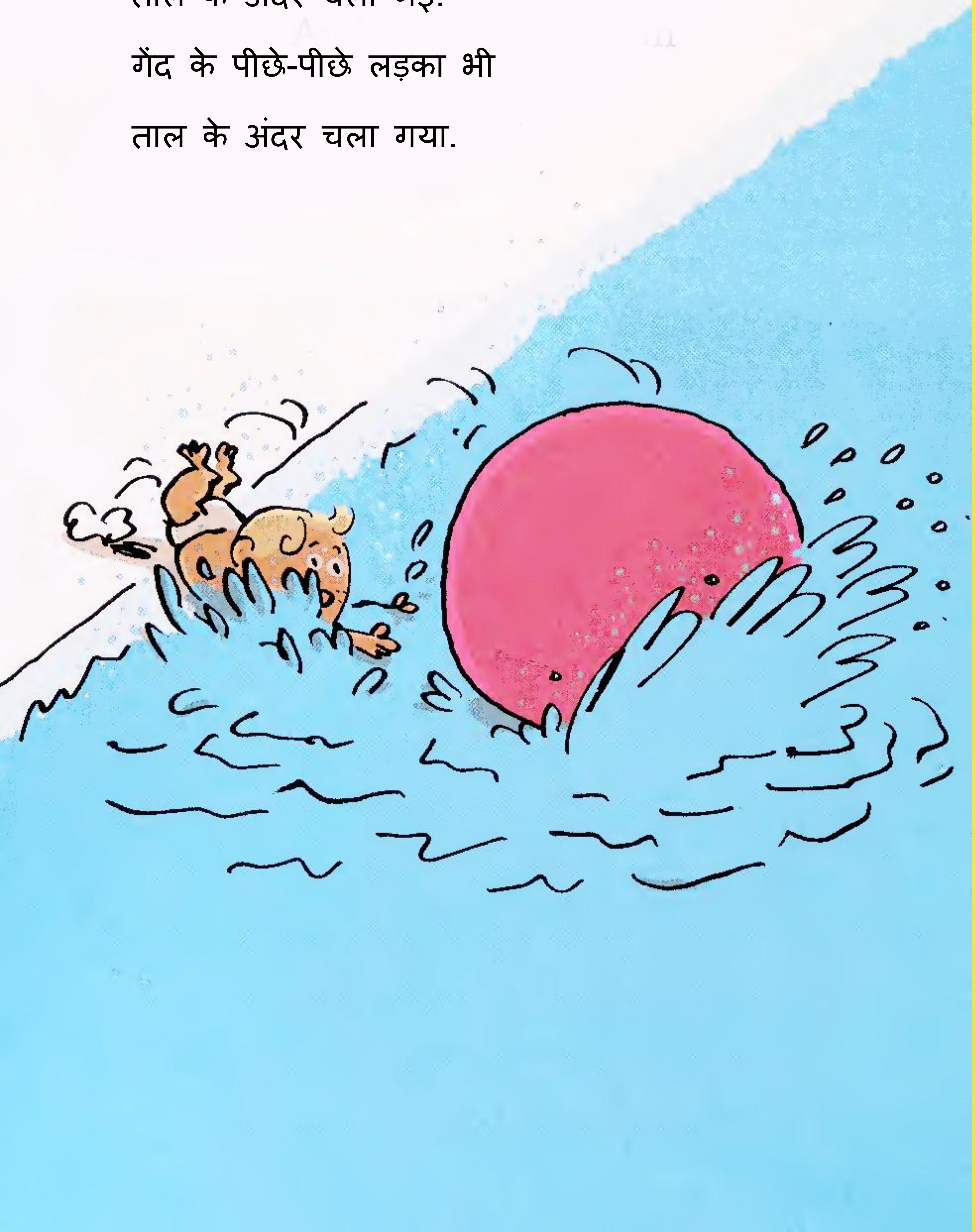
स्नीकर एक चट्टान के पीछे बैठ गया.

वह तरणताल की ओर देखने लगा.

उसने देखा, एक छोटा लड़का

एक गेंद के साथ खेल रहा था.

फिर गेंद फिसल कर
ताल के अंदर चली गई.
गेंद के पीछे-पीछे लड़का भी
ताल के अंदर चला गया.



लड़के ने न हाथ-पाँव मारे,
न पानी उछाला, न तैरने लगा.
और लड़का तरणताल
से बाहर भी
न आया.

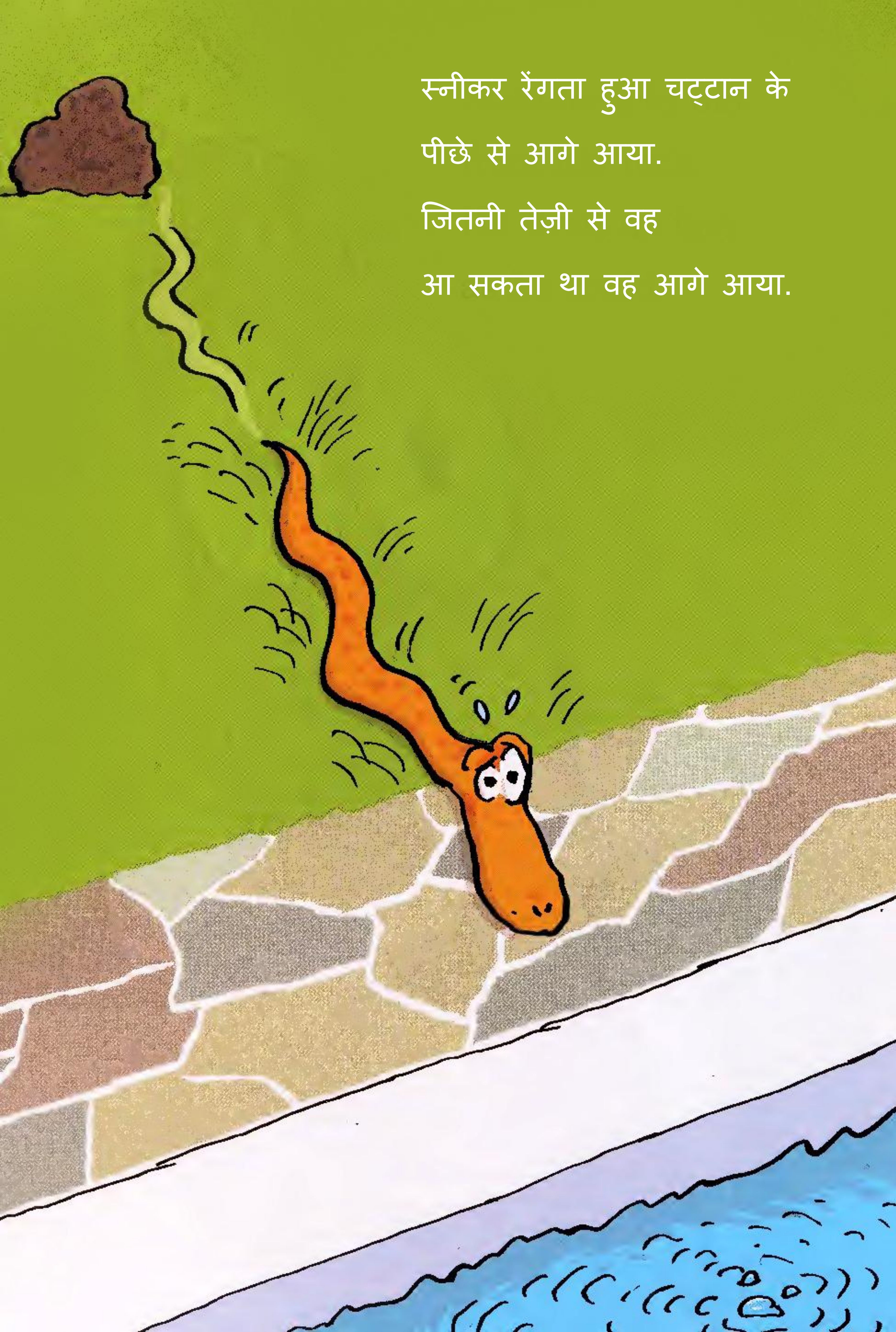


स्नीकर रेंगता हुआ चट्टान के

पीछे से आगे आया.

जितनी तेज़ी से वह

आ सकता था वह आगे आया.



स्नीकर तरणताल में चला गया.



वह तैरता हुआ लड़के के पास आ गया.



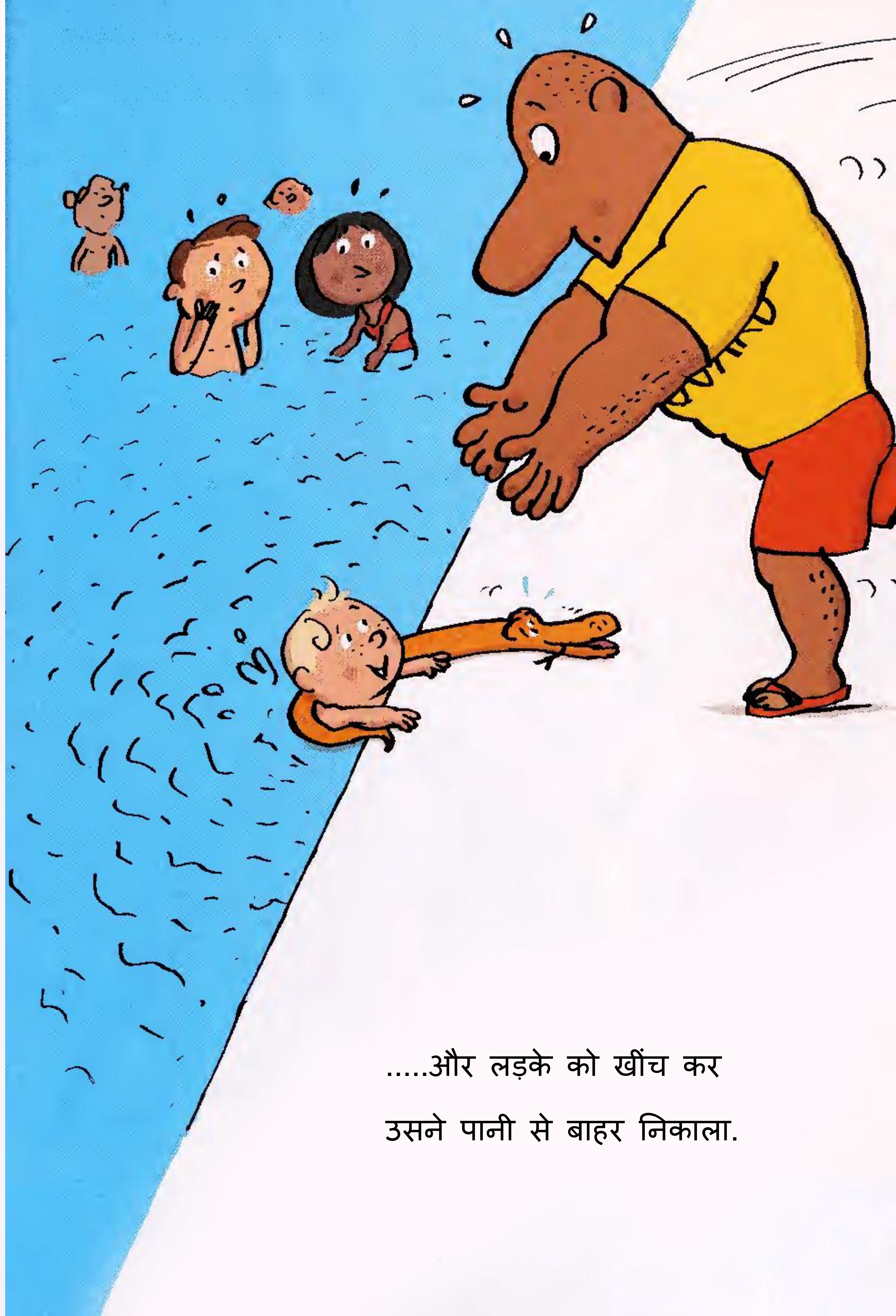
फिर स्नीकर ने अपने को लड़के के

इर्दगिर्द लपेट लिया....



....तैर कर वह ऊपर आ गया.....





.....और लड़के को खींच कर

उसने पानी से बाहर निकाला.

स्नीकर ने छोटे लड़के की जान बचा ली थी!

“हुर्रे, स्नीकर!” सबने तालियाँ बजाते हुए कहा.

“यह बहुत बहादुर साँप है.”





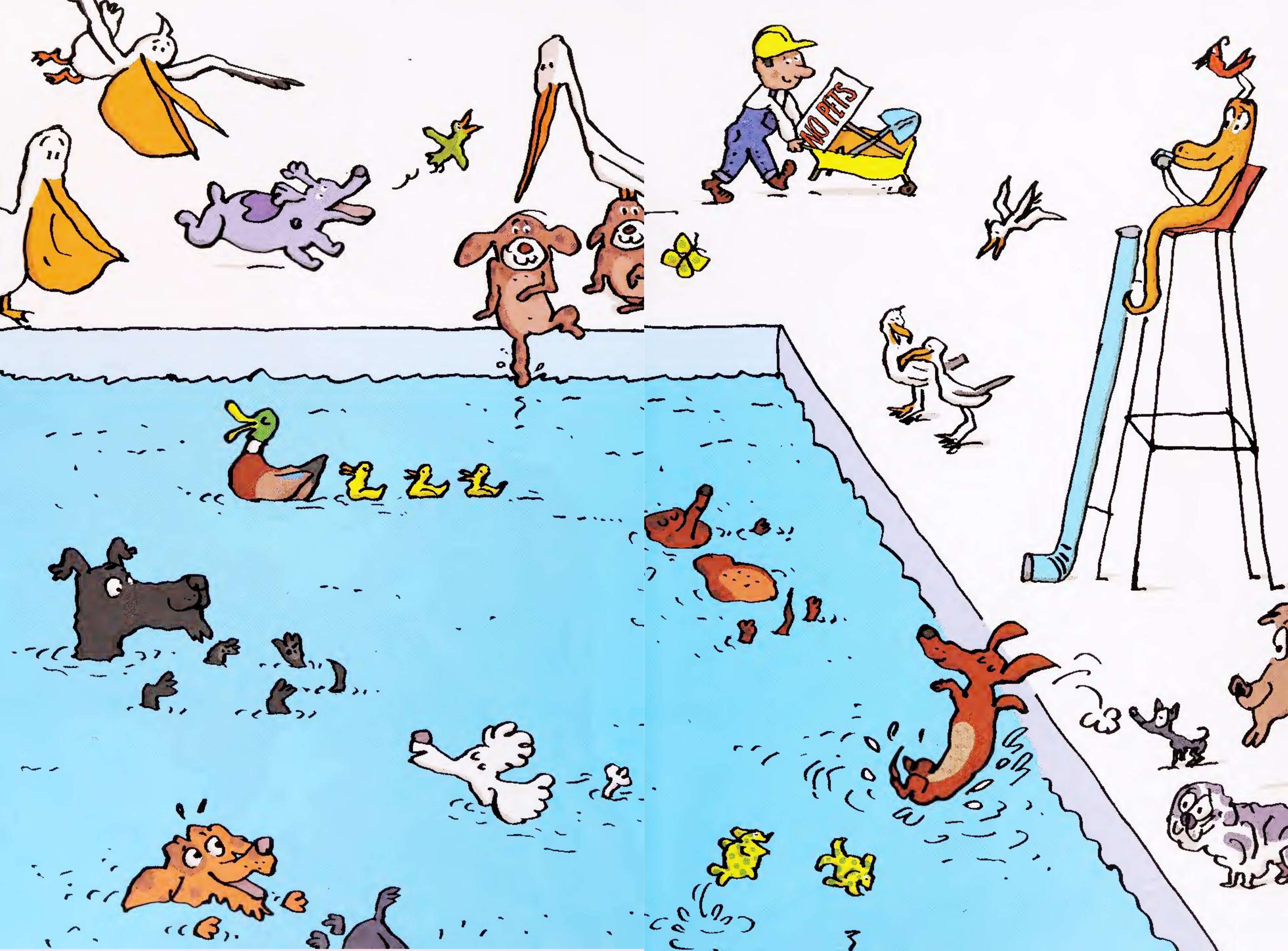
लाइफगार्ड स्नीकर को देख मुस्कराया.

“क्या मेरे सहायक बनोगे?” उसने पूछा.

स्नीकर उसकी ओर देख मुस्कराया और बोला,

“हाँआँआँआँआँआँआँ!”




NO PETS